8. हमारे त्यौहार

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ लोक त्यौहारों के नाम बताओ।

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

(शारदा और रशीदा दोनों सहेलियाँ हैं। वे एक ही पाठशाला में पढ़ती हैं। दशहरे की छुट्टियों के बाद मिलती हैं। बातचीत करती हुई चलती हैं।)

रशीदा : कैसी हो शारदा?

शारदा : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?

रशीदा : मैं भी ठीक हूँ। तुमने दशहरा कैसे मनाया?

शारदा : बहुत अच्छी तरह।

रशीदा : दशहरा त्यौहार कहाँ-कहाँ मनाया जाता है?

शारदा : दशहरा त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। इन दिनों जगह-जगह पर गौरी पूजा की जाती है।

रशीदा : गौरी पूजा किस त्यौहार के रूप में मनाते हैं?

शारदा : हमारे यहाँ गौरी पूजा के रूप में बतुकम्मा, अट्ला तद्दी जैसे त्यौहार मनाते हैं।

रशीदा : हाँ, मुझे पता है। हमारे पड़ोस में भी बतुकम्मा खेलते हैं। तरह-तरह के फूलों से सजी बतुकम्मा सुंदर लगती है।

शारदा : सही कहा तुमने। महिलाएँ और लड़कियाँ सामूहिक रूप से गीत गाती हुई बतुकम्मा के चारों ओर घूमती हैं। बतुकम्मा को गौरी माँ का रूप मानती हैं।

रशीदा : गौरी पूजा के रूप में और कौन-सा त्यौहार मनाते हैं?

© NCERT not to be republished

शारदा : अट्ला तद्दी भी गौरी पूजा का ही त्यौहार है। इसे मेहंदी या झूले का त्यौहार भी कहते हैं। यह दशहरे के बाद मनाया जाता है।

रशीदा : इस दिन क्या किया जाता है?

शारदा : इस दिन महिलाएँ, विशेषकर कुंवारी लड़कियाँ बगीचों में जाती हैं। वहाँ अट्लु (दोसा) बनाकर खाती हैं। झूला झूलती हैं। शाम को गौरी माँ की पूजा करती हैं। सुबह विसर्जन करती हैं।

रशीदा : हाँ शारदा... तुम ठीक कहती हो। भिन्न-भिन्न लोक उत्सवों और लोक गीतों से भारत देश की शोभा और बढ़ती है।

सुनो-बोलो

1. त्यौहार क्यों मनाये जाते हैं?
2. महिलाओं व लड़कियों द्वारा मनाये जाने वाले कुछ विशेष त्यौहारों के नाम बताओ।
3. तुम्हारे गाँव या शहर में दशहरा कैसे मनाते हैं?

पढ़ो

(अ) किसने कहा-

1. इसे ही मेहंदी या झूले का त्यौहार भी कहते हैं।
2. सुबह विसर्जन करते हैं।
3. हमारे पड़ोस में बतुकम्मा खेलते हैं।

लिखो

(अ) दशहरे के दिनों में क्या होता है?

.....

.....

(आ) धार्मिक दृष्टि से लोक उत्सवों का क्या महत्व है?

.....

.....

.....

(इ) बतुकम्मा और अट्ला तद्दी त्यौहार कैसे मनाये जाते हैं?

.....

.....

.....

.....

© SCERT not to be republished

शब्द भंडार

(अ) वर्ग पहेली में से त्यौहारों के नाम चुनकर लिखो।

दि	वा	ली	प	र
प	रा	न	ग	म
हो	क्रि	च	त	जा
उ	ओ	स	प	न
गा	त	ण	म	ल
सं	क्रां	ति	म	स

.....

.....

.....

.....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य और चित्र ध्यान से देखो।

मैं खेलता हूँ।

हम खेलते हैं।

यह खेलता है।

ये खेलते हैं।

वह खेलता है।

वे खेलते हैं।

ऊपर दिये गये वाक्यों में रेखांकित शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।

सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे :- मैं, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, हम आदि।

© SCERT not to be republished

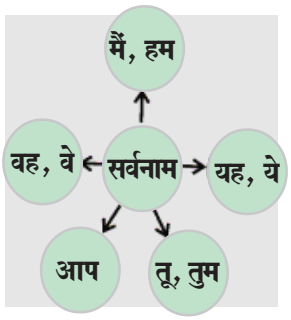

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद त्यौहार के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

परियोजना कार्य

लोक उत्सव गीत इकट्ठा करो। चार्ट पर चिपकाओ। कक्षा में सुनाओ।

जैसे : बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरू कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो।।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		

त्यौहार से मेलजोल की भावना बढ़ती है।

© SCERT not to be republished